Shri Gajanan Maharaj Shikshan Sansta,Amravati's Sant Gadge Baba Amravati University,Amravati,Maharashtra Narayanrao Rana Mahavidyalaya Badnera Tq.Dist-Amravati

7.2 Best Practice – 1 Environment awareness

Best practice – 1 Better environment better tomorrow Environment awareness

1. Objectives of the practice

- 1. Students should develop a harmonious and balanced attitude towards the environment.
- 2. Students should develop their own positive attitude with knowledge, understanding, skills, awareness and real experience about the environment.
- 3. To increase the quality of the environment and create public awareness about the problem and conservation.
- 4. Improving the quality of environment in our country.
- 5. To become a social responsible citizen.

2.Context

The main aim of the practice is to impart knowledge, create awareness, develop an attitude of concern and nurture the necessary skills to handle the environmental issues and challenges. The rural village region and green landscaping of college are the necessary features for shaping and sustaining an eco friendly.

3. The practice

1. Plantation

Every year trees are planted in the college and nearby villages by the students as well as by the children of the area to create awareness about the environment among the children. Every year about 100 samplings are planted and maintained by our staff members and students.

2. Organizing workshops

This college organized a workshop to make Ganesha idols made of eco-friendly clay, and to use natural colors instead of chemical colors while celebrating Holi. Students were also given knowledge on how to create seed ball and how to plant it. Along with this, a workshop was organized to make paper bags.

3. Leaflet distribution

In order to create awareness among the common people about the environment, leaflets were distributed in various villages.

4. Water conservation projects

Under 'Pani Adva- Pani Jirwa' every year water conservation work is done.

5. Conducting lectures

On the occasion of Ozone Day, Vasundhara Day, World Environment Day, World Water Day, Chimney Day, various lectures were organized in the college.

6. Organizing the tour and various competitions

Slogan competitions, quizzes and an educational tour is organized every year in the college.

7. Work for livestock

During summers, when the animals do not get water, arrangements are made by the students of the college in their homes for the birds and panavathas were prepared in the college and other villages to provide water to animals. A system for Party Water for birds arranged by reusing plastic bottles.

8. Plastic elimination programme

Under the plastic elimination programme, plastic was collected from pilgrimage Kondeshwar, the college premises, Mill chawl area, government hospital, bus depot and a rally was organized

Evidence of success

- 1. Through the various activities students are made aware of environmental issue.
- 2. Environment awareness helps students understand how their decisions and actions affect the environment.
- 3. Through periodical tree plantations, flora and fauna on the campus have been enriched.

Problems Encountered and resources required

- 1. Lesser awareness among the students and community towards environmental issue aggravates the problem levels.
- 3. People have no knowledge about the factors that come in the environment and the interrelationship of those factors.
- 4. It is difficult to make people understand about environment.

Best practice - 1

Better Environment Better Tomorrow





Principal Dr. G.S. Vairale and Dr. O.B. Munde guiding the students on the occasion of World Ozone Day, Dt. 16 September 2017





Tree Plantation and distribution of sapling, 3 October 2019





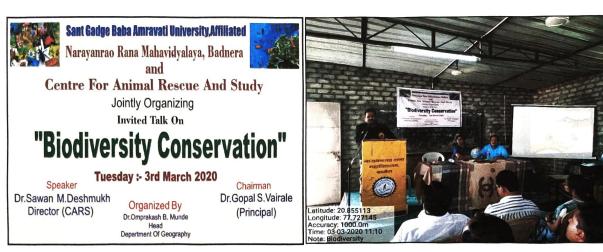
Geography & Environment Tour at Durgapur krushi vidpyan Kendra – 1/3 jan 2020



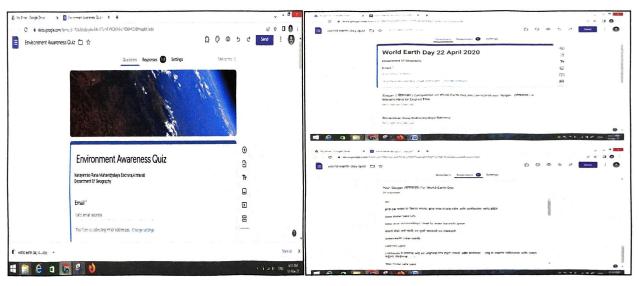
Marayanrao Rana Mahayidyalaya







Lecture on Biodiversity delivered by Dr.Sawan Deshmukh, Dt-03 March 2020



Environment Awareness Quiz Dt.5 June 2020

Slogan Competition On World Earth Day 22 April 2020



Party Water For Animal And Birds



Principal
Narayanrao Rana Mahavidyalawa
Bada ma

2







पर्यावरणपुरक गणेश



नवभारत

पर्यावरणपूरक गणेश जनजागृति अभियान



ता पा का उपयोग ना करने का आवाहन की पहिला बडनेरा में बारी, बडनेरा, जावरा, द्रिशांव जागरूकता अभियान 'पर्यावरण जेसे विभिन्न गांवों में छात्रो द्वारा के अनुकूल गणेश उदसर्व का पत्रक वितरित किए गए, पर्वे का प्रायोजन किया गया. पर्यावरण वितरण कालेज के प्राचार्य डा. प्रदूषण को रोकने के लिए भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियों को प्रा. डा. खुशाल अलसपुरे, डा.

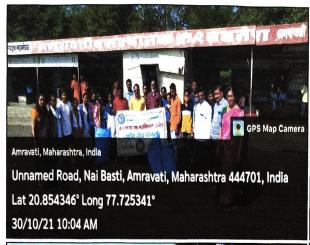
का उपयोग ना करने का आवाहन किया गया. अंजनगांव

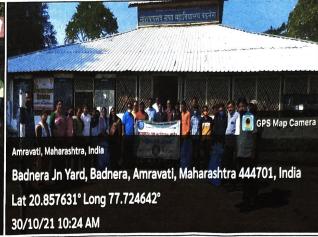
way dyalaya

Principal

Workshop On Eco-Friendly Ganesh idols & Awareness campaign on usen of Eco-Friendly Ganesh idols











पर्यावरण संरक्षण के लिए बडनेरा मे छात्रों ने जमा किया प्लारिटक

अमरावती (प्रतिनिधी) नारायणराव राणा कॉलेज, बडनेरा में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग ने म राष्ट्रिय सेवा योजना । पनान न गैर-पुनर्न वीनीकरण, गैर-अपघट्य प्लास्टिक निर्मूलन अभियान चलाया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने कॉलेज से मिल चाल, मोदी अस्पताल,वडनेरा बस स्टॅंड तक विखरे गैर-अपघटनीय प्लास्टिक को एकत्रित कर सफाई अभियान

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोपाल एस. वैराले मौजूद थे। कार्यक्रम का



कॉलेज की पहल

आयोजन राष्ट्रीय सेवा वोजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश मुंदे व महिला कार्यक्रम अधिकारी ई. मंगीता भागड़िया मालानी ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के डॉ. खुशाल अळसपुरे, डॉ. संतोष जुरातः अव्यक्षपुर, क. सताप वनसाइ, डॉ. अंजिल चेपे, डॉ. कल्पना मेहरे, डॉ. हर्षल निभारकर, प्रा. सतीश खांडे, प्रा. मनीप भडगे, प्रा. हेमंत बेलोकर, प्रा. माथुरी म्हस्के का सहयोग मिला. इस मौके पर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक मौजूद रहे.

Plastic Eradication Campaign Dt. 30 October 2021





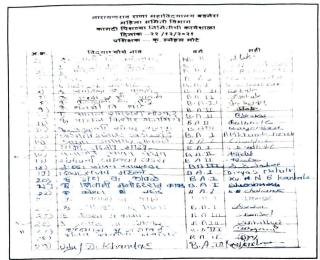
Paper bags training workshop Dt. 22 December 2021



Principal Marayanrao Rana Mahavidyalaya

Badnera





नारायणराव राणा कॉलेज में पेपर बॅग् बनाने की कार्यशाला



स्थानीय नारायणराव राणा कॉलेज बडनेरा में महिला समिति द्वारा पेपर बैग बनाने की कार्यशाला का आयोजन किया गया. प्लास्टिक की थैलियों के उपयोग के कारण

पर्यावरण को नुकसान हो रहा है. पर्यावरण की रक्षा करना हमारा दायित्व और कर्तव्य है. छोटी-छोटी चीजों से पर्यावरण बचाने के उद्देश्य

पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने और रोजगार की दृष्टि से भी विद्यार्थीयोंने सोचना चाहिए ऐसा मार्गदर्शन किया.

कॉलेज की छात्रा स्नेहल मोटे ने विद्यार्थियों को पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया. इस अवसर पर तरह-तरह के पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया. कार्यक्रम का आयोजन एवं प्रास्ताविक महिला





Student making seedballs



नवभारत

कोंडेश्वर पर्वत पर बोई गई सीडबॉल

बडनेरा (सं). स्थानीय नारायणराव राणा कॉलेज के राष्ट्रीय

नारायणराव राणा कॉलेज की पहल

नारायणराख राणा कलिज के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भूगोल विभाग के इसेलिए एकाइ पर हरियाली प्रमुख एवं रासेयो कार्यक्रम प्राप्त को हैं हर्ग बनाए गए को और मिड्डी के कटाब को अधिकारी डो ओम्प्रकाश मुद्दे और री ही हर्ग पर इसेलिए कोडेश्वर की बंजर रोकने के उद्देश्य से छात्रों की मदद डॉ. संगीता भांगड़िया मस्तानी द्वारा पहले पड़ों से आच्छादित पहाड़ कार्यक्रम का संचारन कार्तिज के जिस्सारी डॉ. खुशाल आपना वीरान हो रहे हैं और यहां की मार्चार्य डॉ. गोपाल वैराले के ने इस उपक्रम में बड़े उत्साह के जीवविविधात विनाश के कारा पर

Amravati Edition 07-august-2022 Page No. 3 epaper.enavabharat.com

Students planting seedballs at Kondeshwar



Mahavidyalaya







नारायणराव राणा महविद्यालय में जागतीक पर्यावरण दिन

प्रतिनिधि/दि. ८ अपरावती - नारायणराव महाविधालय बडनेरा यहां पूर्गाल विमारा

हारा जपानीक पर्यावरण दिवस के उपलब्ध में ५ जून को प्रांनलाइन पद्धति सं य्याख्यान का

आयोजन किया गया था, कार्यक्रम ऑनलाइन व्याख्यान का किया आयोजन र्का अध्यक्षता

कार्यक्रम का प्रास्नाविक भूगोल विभाग प्रमुख आंगप्रकाश शिंदे न रखा.

इस अवसर पर डॉ. सिमोठिया न

पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर मार्गदर्शन किया और विद्यार्थियों को पेड लगाने का आहवान किया, उसी प्रकार कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्थ वैराले ने विद्यार्थियों से

पर्यावरण की सुरक्षा किए जाने का आग्रह किया व प्लास्टिक का इम्नंमाल न किए जाने का भाव्यान किया, भांनलाइन व्याख्यान का संचालन व

की आध्यक्षा प्रताविधानत्व के के बैगले ने की पी प्रमुख डॉ. पूरे ने माना, इन अवस्प पर नचा प्रमुख अतिर्थ के रूप में गानकीय डॉ. मुनेल आपने, डॉ. किसल मिंगा, जा क्लान्यन प्रताविधानय प्रतपुर मा, के के डॉ. युगाल अनसपुरं, डॉ. संगीता भागडिया, डॉ. संनीय बनसोड, डॉ. कन्यना



फेट्रे, डी. अंक्रनी चेंचे, डी. हर्फन निर्मारकर. 🛮 डॉ. राम खंडार व विद्यार्थी उपस्थित थे

Guest lecture on World Environment Day -Dr. R. S. Sisodiya Dt. 5 June 2021





Guest lecture on World Ozone day -Dr.W.J.Uike Dt.18 Sept. 2021



नवभारत

राणा कॉलेज में मना विश्व जल दिवस

प्राकृतिक जल संसाधनों की सुरक्षा जरूरी : डा. ताकसांडे

भारपंचर्य राग प्रतिस्थ जल पूर्वेल विभाग द्वार विश्व जल दिवस के अवसर पर व्याव्यान का आयोग आभासी ख्या से किया गया काशिज के प्राचार्य डॉ. गोपाल बेर्स्स के अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर प्रमुख मार्गदर्शक प्रा. डॉ किशोर ताकसांडें कला पूर्व विद्यान महाविद्यालय, कुहां उपस्थित थे.

जरुरत के प्रति जागरुक कर रहे

जांगिरार करें प्राप्त असिधि का परिचय भूगोल किभाग प्रमुख मा. ओसाधि का परिचय भूगोल किभाग प्रमुख मा. ओसाधिक का परिचय भूगोल किभाग कि स्वाप्त करोगों को पानी का परिचय भर के समझ्यान, लोगों को उक्का प्राप्त की प्रमुख्य की पानी का प्रमुख्य की पानी की जरूरतों के प्रमुख्य की प्रमुख्य की प्रमुख्य की प्रमुख्य की प्रमुख्य की प्रमुख्य के प्रमुख्य की प्रम





आद्योगिकीकरण से हुआ प्रदूषित

अध्याशिका के करण ताकसांडे ने कहा कि औद्योगीकरण के कारण प्रदुक्ति हो गया है और मनवा ने पानी का ओ तरीके से उपयोग किया है. उन्होंने कहा कि संसा जल के शायनल प्रवंधन की आवर्षकरता है. प्राचार्य डॉ. गोपाल बेराले ने कहा कि जल ह

भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय भूजल भीम भूजल अदुस्य हैं, लेकिन संसाधन मूल्यांकन केंद्र द्वारा इसका प्रभाव हर जगह दिखाई तैयार 2022 विश्व जल दिन की देता हैं.

Guest lecture on World Water Day -Dr. Kishor Taksande Dt.23 March 2022



Mahavidyalaya







होळी साजरी करा | पण वृक्षतोड टाळा || रंगपंचमी साजरी करा पण | पाण्याचा अपव्यय टाळा || रंगपंचमी साजरी करा | पण रासायनिक रंग टाळा ||

होळी हा रंगाचा उत्सव आहे. हा उत्सव साजरा करतांजा पाण्याचा व रासायितक रंगाचा मोठ्या प्रमाणात वापर केसा जातो. रासायितक रंगात विपारी घटक असतात जे आरोग्यावर वाईट परिणाम करतात -

रासायनिक रंग व त्याचे परिणाम

रंग	रासयनिक घटक	परिणाम
हिरवा	कॅापर सल्फेट	डोळ्यांना इजा व अंधत्व
लाल	मर्क्युरी सल्फाईड	त्वचेचा कर्करोग,अधाँगवायु व दृष्टीहिनता
जांभळा	कोमीयम आयोडाईड	अस्थमा व ॲलर्जी
चंदेरी	ॲल्युमिनियम ब्रोमाईड	कॅन्मर
निळा	प्रुसियन ब्ल्यु	त्वचारोग
काळा	लेड ऑक्साईड	कीडनी विकार, लहान मुलांमध्ये लर्निंग डिसॲबीलिटी

त्यामुळे उत्सावाचा खरा आनंद घेण्यासाठी नैसर्गिक रंगाचा वापर करा



'' रंगाच्या उत्सावाचा नको बेरंग म्हणूनच वापरा फक्त नैसर्गिक रंग

नैसर्गिक रंग निर्मितीचे स्तोत

हिरवा - मेहंबीची पाने, गुलमोहराची पाने, करवंदाची पाने पिवळा - हळद.बेलावे फळ. झेंडुची फुले, सुर्यफुल.पळसाची फुले लाल - रक्तवंदन पावडर .डाळींब.डाळींबाची साल. जास्वंद

निळा - दाक्षांच्या काही जाती व निळी जारवंद



काळा - द्राक्षाच्या व आवळ्याच्या काही जाती मुलाबी व जांभळा - बीट रुट



भूगोल विभाग नारायणराव राणा महाविद्यालय,बडनेरा

गोपाल एस वैराळे हॉ.:ओसप्र प्राचार्व भुगोल f

हाँ ओमप्रकाश **बी.मुंदे कु.** भुगोल विभाग प्रमुख अ

कु.भावना एम.आसरकर अध्यक्ष,भुगोल अभ्याम मंडळ

कु. प्राची पी.रंगारी अध्यक्ष,निसर्ग क्लब

वैष्णवी,अम,९४२२८५९१०२



Public awareness campaign for Chemical colours and their effects



Principal

Marayanrao fluna Mahavidyalaya





नवभारत राणा कॉलेज में सीड्स बॉल का निर्माण

पर्यावरण सुरक्षा के लिये विद्यार्थियों की पहल रंग ला रही

च्यादिए॥

■ ब्राइनेरा (सं), पुजल सरा और वर्षा दिन-ब-दिन पट रही है. अग पर पेड़ लगान तेजी से बहु कर्म पर पेड़ लगान तेजी से बहु कर पार पेड़ लगान है. राप्पा असना, सरन प्रता के पार में परिवा की नाम से परिवा की साम से परिवा की साम से परिवा की साम से परिवा की सी मी से अख़ारित हों में मार कर कर के उनते और या पड़ाई पर डाटकों और या पड़ाई पर डाटकों से प्री का अज़रित होंकर पर डाटकों से प्रता चारियों से पर्या पड़ाई पर डाटकों से प्री का अज़रित होंकर पर डाटकों से प्री का अज़रित होंकर पर डाटकों से प्रता का स्वार्थ के उनते और या पड़ाई पर डाटकों से प्रता चारियों से प्रावण्या संस्थाण असुवरित होंने के उदेरय से सो होता साम पीचा असुवरित होंने के उदेरय से सो होता साम सो पड़ाई का नियोग नायरण्यात होंगा साम से पूर्णाल



की गई. छात्रों ने इस कार्य के लिये मिट्टी, गोबर और बीज लेकर आए. कॉलेज में करीब 500 सीड्स बॉल बनाए, इस कार्य के लिये भूगोल

Amravati Edition 13-may-2022 Page No. 2 epaper,enavabbasay com



नारायणराव राणा महाविद्यालयात जागतिक चिमणी दिन

लोकमानस न्युज नेटवर्क अमरावती- स्थानिक नारावणराव राणा महाविद्यालय बढनेरा वैथील राष्ट्रीय सेवा योजना विभागाद्वारे जागतिक चिमणी दिन साजरा करण्यात आला. आजञ्या अर्थुनिकीकरणाच्या युगात त्यमण्यांची संख्या दिवसँदिवस कमी होत चाललेली आहे. विमण्यांच्या कमी होत असलेल्या संख्येवर आज प्रत्येक नागरिकांनी विचार करायला हवा. या तस उन्हात विमण्यांना शहरांमध्ये पाणीही मिळत नाही असे दिस्तृ येत आहे. त्यासाठी आपण प्रत्येकाने आपल्या घरा समोरील अंगणामध्ये, गच्चीवर,

गंलरीत चिमण्यांसाठी आणि इतर पक्षांसाठी पाण्याची व खाद्यपदार्थ ठ्यव्याची व्यवस्था करण्याचे अवद्धान महाविद्यालयातील प्राचार्य डॉ गोंपाल वैराळे यांच्या मार्गदर्शनाखाली राष्ट्रीय सेवा योजना विभागाद्वारे करण्यात आले. या कार्यक्रमात्रियय विद्यार्थ्याना सूचना राष्ट्रीय सेवा

योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.ओमप्रकाश मुंदे व महिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता भागडिया मालानी यांनी केली. त्यानुसार अनेक विद्यार्थ्यांनी आपल्या चारासमोरील अंगणात, गञ्जीवर, झाडाबर, गंलरीत पश्यांसाठी पाण्याचे भांडे व खाद्यपदार्थ ठेवले.



पर्यावरण रक्षा के लिए विद्यार्थियों ने बनाए सीड्स बॉल

कार्यलय प्रतिनिधि । अगरावती



Fri, 13 May 2022 https://epaper.bhaskarhindi.com/c/68007903



Principal

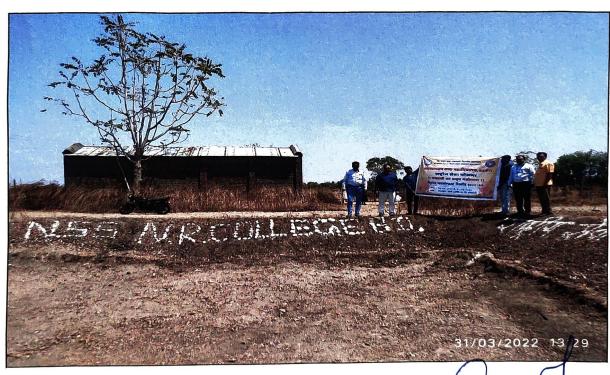
Narayanrao Rang Wahavidyalaya Badnera

पाणी अडवा पाणी जिरवा

Pani Adawa Pani Jirva



Shipgaon Talukka-Bhatkuli



Pimpri Yadgire Taluka - Amravati